



# मेरा गांडू भाई और मेरे चोदू यार-9

“मेरी वासना की सेक्स कहानी से आपको पता लग रहा होगा कि मेरी चूत में कितनी आग है. अब मैंने अपने भाई के दोस्त को अपनी चूत समर्पित करने का मन बना लिया. ...”

**Story By:** (taneya)

**Posted:** Monday, October 28th, 2019

**Categories:** [जवान लड़की](#)

**Online version:** [मेरा गांडू भाई और मेरे चोदू यार-9](#)

# मेरा गांडू भाई और मेरे चोदू यार-9

📖 यह कहानी सुनें

मेरी वासना की सेक्स कहानी के पिछले भाग में आपने पढ़ा कि मेरा नया यार सागर मुझे चोदने के लिए अपने घर ले गया था. वो चूमने के साथ ही मेरे कपड़े उतारने लगा था.

अब आगे :

एक दो पल बाद उसने मेरा टॉप उतार दिया और मेरा शॉर्ट्स भी निकाल दिया. मैं सिर्फ पैंटी में रह गई थी. थोड़ी देर बाद उसने मेरी पैंटी भी उतार दी और मेरे जिस्म से खेलने लगा.

हम दोनों चुदाई की तरफ ही बढ़ रहे थे कि तभी बाहर गेट की बेल बजी और हम दोनों हड़बड़ा गए.

वो बाहर चला गया. मैं वैसे ही रुकी रही. वो वापस आया और बोला- मेरे मम्मी पापा आ गए हैं, तुम चलो.

वो मुझे वैसे ही नंगी लेकर बाहर आ गया. मैं कपड़े भी न उठा सकी. मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि सागर क्या करने वाला है. वो मुझे लगभग खींचता हुआ किचन में ले आया. उसके घर के किचन से बाहर जाने का रास्ता था.

उसने कहा- मैं जैसे ही गेट खोलूं और मम्मी पापा अन्दर आ जाएं, तुम जाकर मेरी कार में बैठ जाना.

इतना कह कर वो चला गया. मैं वहीं रुकी रही. उसने मेन गेट खोल दिया और उसके मम्मी पापा अन्दर आ गए. उसी समय मैं भाग कर गई और सागर की कार में बैठ गई. मैं बहुत डर गई थी. जल्दी जल्दी में मुझे याद ही नहीं रहा कि मैं अभी भी नंगी हूँ.

जब मैं कार में बैठ कर छुपी थी, तब मुझे अपने नंगेपन का अहसास हुआ.

कोई 20 मिनट बाद सागर आया और कार में आकर बैठ गया. मैं उससे बोली- पहले मेरे कपड़े लेकर आओ ... मैं नंगी हूँ. मेरे कपड़े तुम्हारे कमरे में रह गए.

वो बोला- पड़े रहने दो, मैं कल लाकर दे दूंगा.

मैं अभी कुछ बोल पाती, तब तक उसने कार चालू करके बाहर निकाल दी.

अब मैं कार में नंगी थी.

मैं सीट फ्लैट करके पुश्त को सीधा कर दिया और वैसे ही लेटी पड़ी रही.

मैं बोली- सागर तुम अपनी टी-शर्ट मुझे दे दो.

वो टी-शर्ट और ब्लेजर पहने हुए था.

उसने एक जगह गाड़ी रोक कर मुझे अपनी टी-शर्ट दी. उस समय रात के एक बज रहे थे, तो रास्ते सब खाली थे ... इसलिए कोई दिक्कत नहीं हुई.

अब मैं बोली- मुझे घर छोड़ दो.

हम दोनों मेरे फ्लैट के लिए निकल गए.

अब वो मेरी कॉलोनी के थोड़ा दूर रुक गया ... क्योंकि मैं वहां किसी लड़के के साथ नहीं जा सकती थी.

मैं उससे बोली- मैं अन्दर कैसे जाऊंगी ?

उसने कार चालू की और सीधा कॉलोनी के अन्दर डाल दी. वहां वॉचमैन बैठा था. वो उठ कर कार के पास आता, उससे पहले सागर उतर कर उसके पास गया और थोड़ी देर बाद वापस आ गया.

अब सागर गाड़ी को पार्किंग की तरफ ले जाने लगा.

मैंने उससे पूछा- क्या हुआ तुमने उसे मेरा फ्लैट नंबर तो नहीं लिखा दिया.

उसने कहा- नहीं ... मैंने उसे बोला कि थोड़ी देर पार्किंग में कार पार्क करनी है. मैंने उसे 500 का नोट दिया, वो खुश हो गया. तुम टेंशन मत लो, कुछ नहीं होगा.

अब कार पार्किंग में थी. चूंकि रात का टाइम था, इसलिए वहां कोई नहीं था. उसने मुझे उठाया और अपने ऊपर बैठा कर किस करने लगा और मेरे बूब्स दबाने लगा.

मैं भी गर्म हो गई. मैंने टी-शर्ट उतार दी. उसने सीट फ्लैट कर दी और सीट के बैग से कार का शीशा साफ़ करने वाला शैम्पू का पैक निकाला और मेरे मम्मों पर मल दिया. वो शैम्पू लगा कर मेरे मम्मों को मसलने लगा. उसके एक हाथ में मेरा एक बूब पूरा नहीं आ रहा था. वो दोनों हाथ से एक एक मसल रहा था.

‘उफफफफफ अहाआ..’

मुझे ऐसा मज़ा पहले कभी नहीं मिला था. थोड़ी देर बाद उसके घर से कॉल आ गया, तब वो मुझे टी-शर्ट देकर घर के बाहर छोड़ता हुआ चला गया. मैं अपने रूम में चली गई. लेकिन मेरी चुत में आग लगी थी, तो मैं उंगली करके टंडी हो गई और सोचने लगी कि यदि आज इधर आदी होता, तो उंगली नहीं करनी पड़ती. उससे चुत चटवा कर झड़ जाती. मैं यही सोचते हुए ऐसे ही नंगी सो गई.

सुबह हुई, तब मुझे सागर का कॉल आया. मैं उसके फोन की घंटी की आवाज सुनकर ही उठी.

सागर- आज कॉलेज मत जाना, मैं 11 बजे तुम्हें लेने आऊंगा.

मैं बोली- ठीक है.

मैं समझ गई थी कि कल रात की कसर आज पूरी होगी. मैं थोड़ा और सो गई.

फिर 10 बजे मैं उठी और बाथरूम गई. मैंने चुत की झांटें साफ़ कीं और नहा कर एक तौलिये में बाहर आ गई. मैंने एक मस्त सी बैकलैस ड्रेस पहनी और रेडी होने लगी थी.

तभी सागर का कॉल आ गया कि वो नीचे खड़ा है. मैं तैयार होकर उसकी गाड़ी में बैठ गई.

मैं- हम कहां जा रहे हैं ?

सागर- बस एक दोस्त के फ्लैट पर.

थोड़ी देर बाद हम वहां पहुंच गए. सागर के पास ही चाबी थी, वहां कोई नहीं था.

हम दोनों फ्लैट के अन्दर आ गए. सागर अन्दर किचन की तरफ चला गया. मैं सोफे पर बैठ कर इन्तजार करने लगी. सागर किचन में गया और उधर से बियर लेकर आ गया. हम दोनों पीने लगे.

जैसे ही हमारी बियर खत्म हुई, सागर ने मुझे अपनी तरफ खींच लिया और किस करने लगा. मैं भी कल रात की भूखी थी, तो मैं उसकी शर्ट के बटन खोलने लगी और उसकी शर्ट उतार दी.

अब सागर ने मेरे शोल्डर से ड्रेस की लेस को हटाया, तो मेरा टॉप नीचे गिर गया. मेरी ड्रेस हटी, तो मैं सिर्फ पैटी में रह गई थी. वो कल रात की तरह मेरे दोनों मम्मों को मसलने लगा.

फिर वो मुझे उठा कर बेडरूम में लेकर गया और उधर वो भी नंगा हो गया. मैं बिस्तर पर अपनी टांगें खोले लेटी थी.

वो मेरे जिस्म से खेलने लगा. मैं भी अपनी चुदास के चरम पर थी. वो मेरे ऊपर चढ़ गया और अपना लंड मेरी चुत पर सैट करके एक धक्का दे दिया. उसका लंड एक ही धक्के में अन्दर चला गया. मैं जानबूझ कर थोड़ा चिल्लाई- आहाआआ ... उम्मह... अहह... हय... याह...

वो रुक गया. फिर उसने थोड़ी देर में धक्के मारना चालू कर दिए. कुछ देर यूं ही चोदने के बाद वो मेरे ऊपर से उठा और नीचे खड़ा हो गया. उसने मुझे बेड के किनारे तक खींच लिया और मेरे दोनों पैर अपने कंधे पर रख कर मुझे चोदने लगा.

उसी समय मेरा मोबाइल बजा. मैं देखने के लिए आगे हुई, तो सागर ने मुझे खींच कर चुदाई चालू रखी. मैंने मोबाइल उठाया, तो देखा कि प्रीत का कॉल था. मैं- चुप रहो सागर ... घर से कॉल है.

सागर रुक गया.

मैंने कॉल उठाई और थोड़ी बात करके कहा- अभी क्लास चालू है ... थोड़ी देर में कॉल करती हूँ.

ये बोल कर फोन काट दिया.

अब सागर झड़ने वाला था, तब उसने अपने धक्के और तेज़ कर दिए. मेरे दोनों चूचे तो जैसे उछलने लगे थे. फिर बहुत तेज 4-5 झटके देने के बाद वो झड़ कर मेरे ऊपर ही गिर गया.

ऐसे ही उस दिन उसने मुझे 2 बार चोदा. फिर मैं रात में अपने घर आ पाई. पहली फुर्सत

मिलते ही मैं प्रीत से बात करके सो गई.

लेकिन पता नहीं क्यों मुझे उसके साथ चुद कर मज़ा नहीं आया. शायद मुझे प्रीत का बड़ा लंड लेने की आदत हो गई थी.

कुछ दिन ऐसे ही चलता रहा. अब कॉलेज में मुझे 5-6 महीने हो गए थे, तो अब मुझे लड़कों के प्रपोजल आने लगे थे.

हालांकि प्रपोजल तो मुझे मुम्बई में भी आते ही रहते थे. मैं उन लड़कों से बातें करने लगी. मैं किसी को न नहीं बोलती थी. मैं सबसे बोलती थी कि मैं कुछ दिन तुमसे बात करूंगी. मुझे भी तुम पसंद आए, तो मैं आगे का सोचूंगी. ऐसे मैं सबसे बोल देती थी. बाद में मुझे जो खुश करता था, उसे बीएफ बनाती थी.

इस तरह एक ही साल में पुणे में मेरे 7 बीएफ बन गए थे. इसमें से ज्यादातर से बस बात होती थी या घूमना फिरना, शॉपिंग वगैरह ये सब ही होता था. मैंने चुदाई सिर्फ 2 के लंड से की थी.

ऐसे ही एक साल पूरा निकल गया और मैं गर्मी की छुट्टी में वापस मुम्बई आ गई. मैं घर आई, तो अब आदी मेरे रूम में सोता था. आदी वाला रूम मुझे मिल गया था.

उस रात को हम लोगों ने खाना खाया और इधर उधर की बातें करने लगे. फिर मम्मी डैडी अपने रूम में चले गए. मैं आदी के रूम में चली गई. हम दोनों बातें करने लगे. हमने काफी देर तक इधर उधर की बातें की.

उसके बाद मैंने आदी को कहा- अपने कपड़े उतारो.

आदी- क्यों ?

मैं- बहुत दिन हो गए यार तुझे देखा नहीं ... ऐसे में तुझे बहुत मिस करती रही.

मेरी बात सुनकर वो नंगा हो गया और बेड पर लेट गया. मैं उसके बाजू में लेट कर उसके लंड को सहलाने लगी. मैंने उससे पूछा- अभी तुम किससे चुद रहे हो ?

आदी- एक कॉलेज का फ्रेंड है.

मैं- कैसा है चोदने में ... मज़े देता है तुम्हें ?

आदी- हां दीदी ... उससे तो मुझे बहुत मज़ा आता है ... वो प्रीत भैया से भी अच्छा चोदता है.

उसके मुँह से ये सुन कर मेरी आंखों में चमक आ गई. मैं बोली- तो फिर किसी दिन मिलाना मुझे ... उसको किसी दिन घर पर बुला लो.

आदी- ठीक है.

मैं- अच्छा मेरा एक काम कर देना.

आदि- क्या ?

मैं- वही ... जो एक बार प्रीत के फार्महाउस पर किया था.

मैंने उसका हाथ पकड़ कर अपनी चुत पर लगा कर चूत सहलवाने लगी.

आदी- समझ गया ... ठीक है अभी कर देता हूँ. आप कपड़े उतार दो.

मैं उठी और मैंने टी-शर्ट उतार दी. ब्रा पैंटी रात में वैसे भी नहीं पहनती थी, तो मेरे बड़े बड़े चूचे देख कर आदी स्माइल करने लगा. मैं उसे दिखाते हुए अपने बड़े बड़े मम्मों को हिलाने लगी.

मैंने अपनी शॉर्ट्स भी उतार दी और पूरी नंगी हो गई. मैं बेड पर चित लेट गई और अपने पैर ऊपर करके अपने ही हाथ से पकड़ लिए. अब मेरी चुत खुल कर सामने आ गई थी.

आदी ने मेरी चुत को थोड़ी देर तक पहले अपने हाथ से सहलाया. फिर उसने चाटना चालू कर दिया



मैं धीरे धीरे मादक आवाजें करने लगी. मेरे भाई आदी ने 20 मिनट तक अलग अलग तरीके से मेरी चुत को चाटा और मैं उसके मुँह पर ही झड़ गई. वो उठ कर बाथरूम गया और मुँह साफ़ करके आ गया.

मैं- क्या हुआ बस लड़कों का ही रस पीते हो ... दीदी का पानी नहीं पी सकते थे क्या ?

इस पर वो हंस दिया.

मैं ऐसे ही थोड़ी देर उसके बेड पर नंगी पड़ी रही. हम दोनों हंसी मजाक की बातें कर रहे थे.

फिर मैं अपने रूम में आकर अपने एक ब्वॉयफ्रेंड से बातें करने लगी और कुछ देर बाद सो गई.

जैसे कि आदी से बात हुई थी. वो 2-3 दिन बाद अपने उस दोस्त को घर लेकर आया. उस टाइम मैं घर पर अकेली थी, इसलिए बिना ब्रा की टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहन कर थी. मैं उस वक्त अपने एक ब्वॉयफ्रेंड से बात कर रही थी. मम्मी और डैडी ऑफिस गए थे.

मेन गेट की बेल बजी, मैंने जाकर दरवाजा खोला, तो आदी था. साथ में उसका फ्रेंड भी आया हुआ था.

उसका फ्रेंड देखने में अच्छा था और अच्छी खासी बॉडी थी. उसने मुझे देखा, तो बस देखता रह गया.

वो दोनों अन्दर आ गए, तब आदी ने उससे मुझे मिलाया.

आदी- दीदी ये मेरे कॉलेज फ्रेंड हैं राहुल.

मैं बोली- अच्छा ...

मैं उसका नाम राहुल सुनकर सोचने लगी कि ये भी राहुल है लेकिन पता नहीं इसका लंड मेरे पहले वाले राहुल जैसा दमदार होगा या नहीं.

मैंने उससे पूछा- तुम कहां रहते हो ?

राहुल- यहीं आगे वाली गली में.

मैं- तो तुम लोग अच्छे से पढ़ते हो या बस ऐसे ही कॉलेज बंक करते हो.

राहुल- नहीं नहीं ... हम कॉलेज बंक नहीं करते.

आदि भी यही बोला.

मैं- हां ठीक है ... करना भी मत और अच्छे से पढ़ो.

इस वक्त राहुल बार बार मेरे मम्मों को देख रहा था. शायद उसने देख लिया था कि मैं ब्रा नहीं पहने हुए हूँ.

फिर मैं अपने रूम में चली गई और वो और आदी, आदी के रूम में चले गए.

थोड़ी देर बाद मैं बाहर आई. मैंने सोचा कि देखती हूँ, ये लोग क्या कर रहे हैं.

मैंने की-होल से देखा तो आदी उसका लंड चूस रहा था. उसका लंड देख कर ही मुझे पसंद आ गया. पूरे 8 इंच का गोरा लंड था. अब मेरी चुत भी पानी छोड़ने लगी थी.

थोड़ी देर बाद वो चला गया, तब मैं आदी के रूम में गई और बोली- तुमने उसे मेरे बारे में सब बताया है क्या ?

आदी- नहीं दीदी ... लेकिन वो तुम्हें देख कर तुम्हारी तारीफ कर रहा था. वो मुझसे बोला भी कि तेरी बहन ब्रा नहीं पहनती है क्या. उसको आपके चूचे बहुत बड़े दिखे थे.

मैं- अच्छा ऐसी बात है. ठीक है तुम मेरा एक काम करना. कल उसे फिर से घर लेकर आना और पढ़ाई करना. तब मैं तुम्हें बोलूंगी कि मुझे मेरी फ्रेंड के यहां ड्राप कर दो. तब तुम बोलना मैं नहीं जा सकता, मैं होमवर्क कर रहा हूँ. फिर बोलना कि आप राहुल के साथ चली जाओ. ठीक है!

आदी- हां ठीक है.

अब मुझे आदी के इस चोदू से चुदने का मन करने लगा था. मुझे नहीं मालूम था कि इसका लंड कैसा है. इस सबको मैं अगले भाग में लिखूँगी.

मेरी वासना की सेक्स कहानी से आपको पता लग रहा होगा कि मेरी चूत में कितनी आग है. आपको कितना मजा आ रहा है इसमें ? मुझे आपके मेल का इन्तजार रहेगा.

[taneyar95@gmail.com](mailto:taneyar95@gmail.com)

कहानी जारी है.

## Other stories you may be interested in

### बुद्धा गार्डन में दिल गार्डन गार्डन

नमस्कार दोस्तो, सबसे पहले आप लोगों का बहुत बहुत शुक्रिया जो आपने मेरी पहली कहानी नर्स सेक्स स्टोरी : गदर माल को इतना प्यार दिया और कुछ लोगों ने मेल भी किया। मैंने पहली कहानी की लिंक उस कहानी की नायिका [...]

[Full Story >>>](#)

### मेरा गांडू भाई और मेरे चोदू यार-8

मेरी कामुकता भरी सेक्स कहानी में अब तक आपने पढ़ा कि मैं अपने लेटेस्ट यार प्रीत सिंह के साथ सेक्स करके उसकी गोद में बैठी थी कि प्रीत ने मेरे भाई के बारे में सच बोल दिया. जिसे सुनकर मैं [...]

[Full Story >>>](#)

### नई नवेली भाभी की चुदाई देवर से-2

कहानी के पिछले भाग नई नवेली भाभी की चुदाई देवर से-1 में आपने पढ़ा कि जब मैं बाथरूम में पेशाब कर रहा था तो मेरी शादीशुदा भाभी ने मेरे लंड को चुपके से देख लिया था. उस दिन के बाद [...]

[Full Story >>>](#)

### पुराने यार के लंड ने मजा दिया-2

नमस्कार दोस्तो, मेरी सेक्स कहानी के पहले भाग पुराने यार के लंड ने मजा दिया-1 में आप लोगों ने पढ़ा कि कैसे मेरा पुराना यार एक डॉक्टर निकला था और मैंने उसके लंड का मलाई निकाली थी. अब आगे : अगले [...]

[Full Story >>>](#)

### मेरा गांडू भाई और मेरे चोदू यार-7

मेरे जिस्म की प्यास की सेक्स कहानी में अब तक आपने पढ़ा था कि मेरे गांडू भाई के लिए मुझे एक लंड का इंतजाम करना पड़ा. मैं उसे अपने चोदू प्रीत के फ़ार्म हाउस पर ले गई थी और अपने [...]

[Full Story >>>](#)

